

९, 4. TS. 5, 4, 4. KAUC. 18. KĀTJ. ÇR. 15, 6, 24. — Vgl. यथोपमुक्तम्.
 — निम् 1) lösen; befreien: षटा निर्मुच्य BHĀG. P. 9, 10, 47. अमुञ्चते व-
 र्तिकामंहेतो निः RV. 1, 118, 8. 3, 31, 8. विश्वं जिवे तमसो निर्माचि 10,
 107, 1. पाशात् VS. 3, 39. BHĀG. P. 6, 2, 20. यथाह्रिस्त्वचो निर्मुच्यते sich
 losmacht ÇAT. BR. 2, 3, 1, 6. 3, 6, 3, 19. प्राणैरुक्तानि द्वित्राणि न यदा निर्-
 मुच्यत des Lebens verlustig gehen RĀGA-TAR. 6, 105. निर्मा मुञ्चामि शप-
 द्यात् LĀTJ. 2, 2, 11. निर्मुक्त abgelöst: दशनैर्मूलनिर्मुक्तैः HARIV. 4309. ad
 ÇĀK. 19. befreit, entkommen: देवात्तेनापि निर्मुक्ता von ihm befreit, ihm
 entkommen KATHĀS. 4, 40. MBH. 1, 6189. पित्र्यादृणादनिर्मुक्त इदानीमस्मि
 4660. क्लेशात् 6197. कार्यकारणकर्म^० frei von MAITRĪJUP. 6, 7. द्वन्द्वोक्त^०
 BHĀG. 7, 28. किम्^० RAGH. 1, 46. त्रीडानिगड^० RĀGA-TAR. 1, 254. तरंगाव-
 ली^० अमृतसागराम्भस्) Spr. 2976. पुरुष^० der Männer ermangelnd R. 4,
 44, 108. निर्मुक्त = निष्परिग्रह^० aller Habe entbehrend, Nichts besitzend
 H. an. 3, 271. = निःसङ्ग^० an Nichts hängend MED. I. 117. — 2) pass.
 mit Ergänzung von त्वचस्^० sich von seiner (alten) Haut befreien, sich
 häuten (von einer Schlange): निर्मुच्यमान इव शीर्षातनुर्भुङ्गः MĀKĪH. 46,
 14. निर्मुक्त sich (vor Kurzem) gehäutet habend AK. 1, 2, 1, 6. H. 1312.
 an. 3, 271. MED. I. 117. निर्मुक्तानो पन्नगानाम् MBH. 5, 7212. 7, 576. 4880.
 5603. R. 2, 43, 2. 4, 2, 15. 5, 3, 22. — 3) fahrenlassen, aufgeben: तेन नि-
 र्मुच्यत ज्ञोवितम् RĀGA-TAR. 5, 125. निर्मुक्त am Anfange eines adj. comp.
 aufgegeben, verloren, verschwunden, nicht daseiend: सिद्धिर्निर्मुक्तकल्म-
 षैः MBH. 13, 760. ^०सङ्ग Spr. 3788. ^०देह 3803. ^०चापला KATHĀS. 24, 20.
^०शशिभास्कर BHĀG. P. 3, 11, 28. — 4) schleudern: निर्मुक्ता बाणः MBH.
 4, 1515. ब्रह्मदण्डः BHĀG. P. 9, 4, 14. — Vgl. निर्मुक्ति, निर्मोक्त fg., निर्मो-
 चन. — caus. Jmd befreien: पापात् HARIV. 14777. — desid. s. निर्मोक्त.
 — अधिनिस्^० pass. sich befreien von: पाप्मनः PAÑĀV. BR. 17, 1, 9, 2, 2.
 — अभिनिस्^० partic. अभिनिर्मुक्त M. 2, 221. AK. 2, 7, 54. H. 860. KULL.
 zu M. 2, 220 fehlerhaft für अभिनिघुक्त.
 — विनिस्^० 1) pass. sich losmachen, sich befreien von: यथा पादोदरस्त्वचा
 विनिर्मुच्यते PRAÇNOP. 3, 5. ये तु तत्र विनिर्मुक्ताः सार्धात्केचिद्विद्वताः so
 v. a. mit heiler Haut davongekommen (सार्धात् gehört zu ये) MBH. 3, 2552.
 ब्रह्मतेजोविनिर्मुक्त glücklich entkommen BHĀG. P. 1, 8, 17. देषिः frei von
 SUGR. 1, 26, 3. सर्वेभ्यो ऽपि विनिर्मुक्तं कुरु (माम्) PAÑĀR. 2, 4, 18. सर्वद्वन्द्व^०
 M. 6, 81. इन्मबन्ध^० BHĀG. 2, 51. सर्वव्याधि^० MBH. 3, 6027. मेघलेखा^०
 (शशिमण्डल) 4, 498. 13, 878. KATHĀS. 16, 105. VARĀH. BRH. S. 48, 87. 53,
 1. NILAK. 40. Vorz. d. Oxf. H. 20, a, 8 v. u. P. 3, 4, 77, Sch. — 2) fahren
 lassen, aufgeben: विनिर्मुच्य कलेवरम् HARIV. 6488. — 3) schleudern:
 रामचापविनिर्मुक्तैः सायकैः R. 3, 31, 22. (मुष्टिः) यस्ते मूर्ध्नि विनिर्मुक्तः प्रा-
 षानपहरिष्यति 4, 13, 22.
 — परि 1) lösen, ablösen, abnehmen: पुरुषं परिमुक्तबन्धने करोति
 ÇĀK. 73, 10. तथा संनहनान्येषां परिमुच्य समस्ततः (von einem Baume)
 MBH. 4, 1820. befreien: मुञ्चामि वा वैश्वानरदर्षवान्मक्तुस्परि AV. 1, 10, 4.
 med. pass. sich ablösen —, sich befreien von: शत्रुणा यत्पित्रोर्मुच्यसे परि
 RV. 1, 31, 4. शोषाद्याः पर्यमुच्यत रथबन्धात् MBH. 7, 8787. कलुषेषाम्बु
 मक्ता मेदिनी परिमुच्यताम् R. 2, 97, 27 (106, 24 GORR.). पापेभ्यः परिमु-
 च्यते MBH. 13, 5551. कष्टात्संसारत् 14, 455. ऋषिदेवमनुष्याणां (sc. ऋणा-
 त्) परिमुक्ता ऽस्मि धर्मतः 1, 4659. मेघोपरोधपरिमुक्तशशाङ्कवक्त्रा R. 3, 7.
 राष्ट्रपरागपरिमुक्तमिवेन्द्रबिम्बम् KAURAP. 10. frei —, erlöst werden (von

den Banden der Welt) KAUC. 139. MAITRĪJUP. 6, 34. परिमुच्यति सर्वे MUND.
 UP. 3, 2, 6. — 2) verlassen, aufgeben, fahren lassen: द्विजातीन् — न श-
 शाक — परिमोक्तु रथेन सः so v. a. sich trennen von R. 2, 43, 19. परिमु-
 च्यताम् (तरिम्) PRAB. 102, 15. परिमुक्तसङ्ग BHĀG. P. 2, 7, 10. pass. in
 derselben Bed. wohl fehlerhaft: यथाग्नीन्परिमुच्येत so v. a. vernachlässi-
 gen MBH. 12, 1213. यथाग्नीनपविद्येत ed. Bomb. entlassen, von sich
 geben: तेजोमयं तु पद्मत्वं तस्त्वालाः परिमुञ्चति KATHĀS. 29, 45. — desid.
 s. परिमोक्त.
 — विपरि^० pass. sich befreien von: पापाद्विपरिमुच्यते MBH. 12, 5657.
 — प्र^० auflösen, aufknüpfen, aufbinden, ablösen KĀTJ. ÇR. 3, 8, 1, 2. 8,
 4, 20. 16, 3, 15. धन्वेनो ज्याम् VS. 16, 9. अभिनहनम् KHĀND. UP. 6, 14, 2. ÇAT.
 BR. 3, 2, 4, 14. कृतं चिदेतः प्र मुमुच्यस्मत् RV. 1, 24, 9. Jmd befreien von:
 पाशात् 6, 74, 4. 10, 83, 24. 161, 1. सर्वाभ्यो देवताभ्यो यजमानं प्रमुञ्चति
 AIT. BR. 2, 9. भीमं समरात्प्रमोक्तुम् MBH. 8, 3532. frei lassen, laufen las-
 sen: अन्वयं यथा बध्नाति बन्धयं यथा प्रमुञ्चति JĀĀN. 2, 243. यथं रूपे प्र मु-
 च्यता मुदासं RV. 3, 33, 11. Jmd im Stich lassen: सीता त्वया प्रमुक्ता R. 3,
 63, 10. Etwas fahren lassen, aufgeben: नीचानर्थसमाचारं सज्जं कर्म प्रमु-
 च्यतु R. 2, 104, 6. प्रमुक्तप्रुधास्तरुणाम्बरसकृ R. GORR. 2, 76, 32. MBH. 6,
 1846. von sich abschütteln: सर्वं पापं प्रमोहयति MBH. 3, 10819. entlassen:
 रेतः AV. 2, 34, 2. R. GORR. 1, 38, 20. धूमं प्रमुच्ये विन्ध्यः MBH. 1, 7628.
 काकाकारं प्रमुञ्चतः 3, 2542. वीणाः प्रमुच्युः स्वरान् R. 2, 91, 26. schleu-
 dern, abschiessen: भीष्मेण महास्त्राणि प्रमुञ्चता MBH. 3, 7331. 8, 1975.
 4069 (प्रमुञ्चमानः). KATHĀS. 50, 55. नाराचमालाम् — रौद्रचापप्रमुक्ताम् R.
 6, 79, 62. अस्मद्ब्रह्मप्रमुक्तैः — प्रूलपट्टिशमुद्गैः 3, 26, 15. नुतं प्रमुक्तम् mit
 Heftigkeit ausgestossen VARĀH. BRH. S. 68, 63. verscheuchen: वृत्रिम् RV.
 1, 116, 10. ज्ञाम् 140, 8. प्रमुञ्चन्मानुषीर्भियः VS. 27, 7. प्रमुञ्चमानो डुरि-
 तानि विश्वा TB. 3, 1, 1, 4 in Z. f. d. K. d. M. 7, 267. frei machen so v.
 a. verleihen, schenken: अयं वः — दृष्टीः प्रमोहयति MBH. 1, 6825. अत्र ते
 ऽहं प्रमोहयामि मालां कुब्जो हिरण्मयीम् R. 2, 9, 39. — pass. sich auflö-
 sen, sich ablösen: पाश एकः प्रमुच्यते MBH. 2, 2325. प्र वनस्पतीनां फ-
 लानि मुच्यते fallen ab ÇAT. BR. 1, 3, 4, 5. यथाप्रं वोडुम्बरं वा पिप्लवं वा
 बन्धनात्प्रमुच्येत 14, 7, 1, 41. sich auflösen so v. a. nachlassen, aufhören:
 यदा सर्वं प्रमुच्यते कामा ये ऽस्य हृदि श्रिताः 7, 2, 9 = KATHOP. 6, 14. sich
 befreien von: कर्मबन्धात् BHĀG. P. 7, 10, 13. पापात् Spr. 3967. MBH. 1,
 254. अथर्ष्यादयशस्याच्च कर्मणाः 3, 4135. गोक्त्यायाः HARIV. 14382. उपस-
 र्गात् MĀRK. P. 40, 6. रोगात् PAÑĀR. 1, 8, 35. चन्द्र इव राहोर्मुखात्प्रमुच्य
 (mit passiver Bed.) KHĀND. UP. 8, 13. मृत्युमुखात्प्रमुक्तम् KATHOP. 1, 11.
 नरकात् MĀRK. P. 13, 14. सर्वपापैः प्रमुच्यते M. 4, 181. 11, 262. MBH. 3,
 5072. R. 1, 1, 94 (104 GORR.). यद्वात्रौ कुरुते पापम् — महाभारतमाध्याय
 पूर्वा संद्यो प्रमुच्यते (sc. तस्मात्) MBH. 1, 657. लग्नगर्भा प्रमुच्येत sich von
 der Leibesfrucht befreien HARIV. 14383. सद्यो गर्भात्प्रमुच्येत die neuere
 Ausg. — Vgl. प्रमुक्ति, प्रमुच fg., प्रमोक्तव्य, प्रमोचन. — caus. auflösen:
 वेणीम् HĀRĪTA bei MALLIN. zu RAGH. 14, 12. Jmd befreien MBH. 8, 1744.
 पापात् 13, 3112. — desid. aufzugeben —, fahren zu lassen im Begriff
 stehen: आसीदभ्यधिका चापि श्रीः श्रियं प्रमुञ्चतः । निर्वाणकाले दीपस्य
 वर्तीमिव दिधत्ततः ॥ MBH. 4, 715. fg. Vgl. प्रमोक्त.
 — अनुप्र^० (nacheinander) loslassen: पत्तोमनुं प्रमुचो बद्धधानाः RV. 4, 22, 7.
 — परिप्र^० med. sich losmachen von: प्र मुञ्चस्व परि कुत्सोद्विक्तं गीहं